RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
28
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा / Rath Yatra of Lord Jagannath

संदर्भ:

ओडिशा के पुरी शहर में आयोजित होने वाली जगन्नाथ यात्रा 27 जून से शुरू हो चुकी है, और 5 जून तक चलेगी।

रथ यात्रा:

परिचय: रथ यात्रा एक वार्षिक हिंदू रथ उत्सव है, जो पुरी (ओडिशा) में भगवान जगन्नाथ (भगवान विष्णु के रूप) के सम्मान में मनाया जाता है।

पौराणिक मान्यता: यह उत्सव भगवान **जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा** की जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर (उनका जन्मस्थान) तक की यात्रा की स्मृति में मनाया जाता है।

समय: यह यात्रा **आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि** (जून-जुलाई) को होती है, जो ओड़िया पंचांग के अनुसार निर्धारित होती है।

रथ यात्रा की प्रक्रिया:

- तीनों देवी-देवताओं को **विशाल लकड़ी के रथों** में विराजित किया जाता है।
- इन रथों को **भक्तों द्वारा खींचा जाता है**, जो लगभग **3 किलोमीटर लंबा 'बड़ा दंडा' (Grand Road)** तय करता है।

महत्त्व:

- यह यात्रा हिंदू धर्म के चार धामों में से एक मानी जाती है।
- यह एकमात्र ऐसा अवसर है जब गैर-हिंदू भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर सकते हैं, जबकि मंदिर में सामान्यत: उनका प्रवेश वर्जित होता है।

रथ यात्रा से जुड़ी धार्मिक मान्यताएँ:

- **पुण्य और मोक्ष:** ऐसा विश्वास है कि रथों पर विराजमान भगवान के दर्शन करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- **बामदेव संहिता का उल्लेख:** बामदेव संहिता के अनुसार, जो भक्त गुंडिचा मंदिर में एक सप्ताह तक भगवान के दर्शन करते हैं, वे अपने पितरों सहित बैकुंठ (स्वर्ग) को प्राप्त करते हैं।
- **गैर-हिंदुओं के लिए विशेष अवसर:** चूँकि जगन्नाथ मंदिर में गैर-हिंदुओं का प्रवेश वर्जित है, इसलिए रथ यात्रा उन्हें भगवान के दर्शन का दुर्लभ अवसर प्रदान करती है।
- **सर्वसमावेशिता का प्रतीक:** मान्यता है कि रथ यात्रा के दौरान भगवान स्वयं अपने गर्भगृह से बाहर आते हैं ताकि वे सभी भक्तों से मिल सकें, जो सर्वसमावेशिता और करुणा का प्रतीक है।

रथ यात्रा के प्रमुख आयोजन और अनुष्ठान-

पहंडी बीजे (Pahandi Bije): एक विशेष जुलूस, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को मंदिर से रथों तक ले जाया जाता है।

छेरा पहनरा (Chhera Panhara): पुरी के राजा द्वारा रथों की स्वर्ण झाड़ू से सफाई की जाती है, जो विनम्रता और समानता का प्रतीक है।

तीनों रथों का खींचना (Three Chariot Pulling): भक्तगण तीन अलग-अलग रथों को गुंडिचा मंदिर की ओर खींचते हैं:

- नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ)
- तालध्वज (भगवान बलभद्र)
- दर्पदलन (देवी सुभद्रा)

बहुड़ा यात्रा (Bahuda Yatra): **आषाढ़ शुक्ल दशमी** को देवताओं की **जगन्नाथ मंदिर वापसी यात्रा**।

पोड़ा पीठा भोग (Poda Pitha Offering): वापसी के दौरान मौसीमा मंदिर में देवताओं को पारंपरिक ओड़िया पकवान 'पोड़ा पीठा' अर्पित किया जाता है।

सुनाबेशा (Suna Besha): लौटते समय भगवानों को रथों पर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया जाता है।

नीलाद्रि बीजे (Niladri Bije): अंतिम अनुष्ठान जिसमें देवता पुन: मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करते हैं; यह रथ यात्रा का समापन है।

रसगोला दिवस (Rasagola Divas): देवी लक्ष्मी को मनाने के लिए रसगोला का भोग अर्पित किया जाता है, क्योंकि वे इस यात्रा में सम्मिलित नहीं होतीं।

लघु वित्त बैंकों के लिए आरबीआई के संशोधित PSL दिशानिर्देश / RBI's Revised PSL Guidelines for Small Finance Banks

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **छोटे वित्तीय बैंकों (Small Finance Banks - SFBs)** के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (Priority Sector Lending - PSL) में ऋण देने का लक्ष्य 75% से घटाकर 60% कर दिया है। इस निर्णय का उद्देश्य इन बैंकों को ऋण वितरण में अधिक लचीलापन और लाभप्रदता प्रदान करना है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने स्मॉल फाइनेंस बैंकों (SFBs) के लिए प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग (PSL) लक्ष्य को घटाया-

उद्देश्य: RBI के संशोधित PSL मानदंडों का उद्देश्य SFBs के लिए ऋण देने की बाध्यता को कम करना, ऋण विविधीकरण की सुविधा देना और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार लाना है।

पहले के PSL मानदंड:

- SFBs को अपनी समायोजित शुद्ध बैंक ऋण (ANBC) का **75%** हिस्सा प्राथमिक क्षेत्र को देना अनिवार्य था।
- इससे उच्च गुणवत्ता वाले उधारकर्ताओं की तलाश में कठिनाई और लाभ मार्जिन में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं।

नए PSL मानदंड:

- **कुल PSL लक्ष्य 75% से घटाकर 60%** कर दिया गया है।
- **अतिरिक्त PSL घटक 35% से घटाकर 20%** किया गया है।
- SFBs को अब भी अपने **ANBC का 40% विशिष्ट प्राथमिक क्षेत्र उप-क्षेत्रों** में निवेश करना अनिवार्य होगा।

स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFBs):

परिचय:

- SFBs भारत में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के नियमन के अंतर्गत कार्य करते हैं और बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006 के अधीन आते हैं (समय-समय पर संशोधित)।
- ये बैंक कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के रूप में पंजीकृत होते हैं और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 व RBI अधिनियम, 1934 द्वारा शासित होते हैं।
- इन पर वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्धारित CRR (कैश रिज़र्व रेशियो) और SLR (स्टैच्यूटरी लिक्विडिटी रेशियो) जैसे RBI के prudential norms लागू होते हैं।

उद्देश्य:

- समाज के वंचित वर्गों जैसे **छोटे व्यापारी, किसान, सूक्ष्म उद्योग और असंगठित क्षेत्र** को कम लागत और तकनीकी सहायता से बैंकिंग सेवाएँ और ऋण प्रदान करना।

पात्रता:

- पात्र प्रवर्तकों में वे निवासी व्यक्ति शामिल हैं जिनके पास बैंकिंग/वित्त का 10 वर्षों का अनुभव हो।
- निवासी स्वामित्व वाली कंपनियाँ/समितियाँ, और पूर्ववर्ती NBFCs, MFIs तथा LABs भी पात्र हैं।
- प्रवर्तकों का 5 वर्षों से अधिक का सशक्त ट्रैक रिकॉर्ड होना आवश्यक है।

सेवाओं की सीमा (Scope):

- SFBs **बेसिक बैंकिंग सेवाएँ** प्रदान करते हैं जैसे:
  - बचत खाता (Savings Account)
  - चालू खाता (Current Account)
  - सावधि जमा (Fixed Deposit)
  - आवर्ती जमा (Recurring Deposit)
  - ऋण सेवाएँ (Loans)

पूंजी आवश्यकताएँ:

- न्यूनतम भुगतान की गई इक्विटी पूंजी ₹100 करोड़ होनी चाहिए।
- प्रवर्तकों को प्रारंभ में कम से कम 40% पूंजी योगदान देना होता है, जिसे 12 वर्षों में घटाकर 26% करना अनिवार्य है।
- विदेशी शेयरधारिता निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए लागू FDI नीति के अनुसार होती है।

प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग (PSL):

स्थापना: PSL की अवधारणा **1970 के दशक** में शुरू की गई थी।

अवधारणा: यह **RBI द्वारा शुरू किया गया एक नियामकीय ढाँचा** है, जिसके तहत बैंकों को अपने **समायोजित शुद्ध बैंक ऋण (ANBC)** का एक निश्चित प्रतिशत **प्राथमिक क्षेत्रों** को अनिवार्य रूप से देना होता है।

ANBC में शामिल:

- नेट बैंक क्रेडिट (NBC)
- बैंक का गैर-वैधानिक तरलता अनुपात **बॉन्ड्स**

प्रोजेक्ट एलीफेंट की संचालन समिति की बैठक / Steering Committee Meeting of Project Elephant

संदर्भ:

प्रोजेक्ट एलिफेंट की 21वीं स्टियरिंग कमेटी की बैठक देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (IGNFA) में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य फोकस मानव-हाथी संघर्ष जैसी गंभीर समस्या के समाधान पर रहा।

स्टीयरिंग कमेटी बैठक के प्रमुख निष्कर्ष:

हाथी जनगणना (Phase-I):

- **उत्तर-पूर्वी राज्यों में हाथियों की एकीकृत जनसंख्या गणना का पहला चरण** पूरा हुआ।
- **16,500 से अधिक हाथी के मल नमूने** जनसंख्या आकलन के लिए एकत्र किए गए।

रेल हादसे और जोखिम क्षेत्र:

- हाथी-रेल टकराव रोकने के लिए 77 उच्च जोखिम वाले ज़ोन की पहचान की गई।
- 2019-20 से 2023-24 के बीच 73 हाथियों की मौत रेल हादसों में दर्ज की गई।

मानव-हाथी संघर्ष: दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत के लिए क्षेत्रीय कार्य योजनाओं पर चर्चा हुई, ताकि मानव-हाथी संघर्ष को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सके।

भारत में हाथियों से संबंधित प्रमुख तथ्य और संरक्षण प्रयास:

हाथी:

- भारत का प्राकृतिक धरोहर पशु (Natural Heritage Animal) घोषित।
- "कीस्टोन प्रजाति" (Keystone Species) मानी जाती है – ये वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन और स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- हाथियों का मस्तिष्क **स्थलीय प्राणियों में सबसे बड़ा** होता है – इन्हें उनकी **असाधारण बुद्धिमत्ता** के लिए जाना जाता है।
- भारतीय हाथी मुख्य रूप से **पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, उत्तरी भारत**, और कुछ **दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों** में पाए जाते हैं।
- इन्हें **भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** की **अनुसूची-I** और **CITES के परिशिष्ट-I** में शामिल किया गया है।
- IUCN रेड लिस्ट में एशियाई हाथी (भारतीय हाथी) को लुप्तप्राय (Endangered) श्रेणी में रखा गया है – इसके कारण हैं:
  - आवास हानि (Habitat Loss)
  - मानव-हाथी संघर्ष
  - शिकार (Poaching)

प्रोजेक्ट एलिफैंट (Project Elephant):

- वर्ष **1992 में भारत सरकार द्वारा शुरू** की गई एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)**।
- उद्देश्य:
  - हाथियों, उनके आवास और गलियारों का संरक्षण
  - मानव-हाथी संघर्ष की समस्या का समाधान
  - बंदी हाथियों की देखभाल और कल्याण
- **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** देश के प्रमुख हाथी-बहुल राज्यों को **वित्तीय और तकनीकी सहायता** प्रदान करता है।

शिवालिक हाथी आरक्षित क्षेत्र (Shivalik Elephant Reserve), उत्तराखंड:

- **2002 में "प्रोजेक्ट एलिफैंट" के तहत स्थापित** किया गया।
- भारत में **हाथियों की सबसे घनी आबादी** वाले क्षेत्रों में से एक।
- यह आरक्षित क्षेत्र निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों को सम्मिलित करता है:
  - राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
  - कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व
  - सोननदी वन्यजीव अभयारण्य

बादल फटना / Cloudburst

संदर्भ:

हिमाचल प्रदेश के **कांगड़ा और कुल्लू जिलों** में **बादल फटने** की घटनाओं ने भीषण फ्लैश फ्लड्स को जन्म दिया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दर्जनों से अधिक लापता हैं। इस आपदा ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे व्यापक पैमाने पर संपत्ति का नुकसान और जानमाल की हानि हुई है।

क्लाउडबर्स्ट और फ्लैश फ्लड: कारण, क्षेत्र और प्रभाव

क्लाउडबर्स्ट (Cloudburst): जब किसी क्षेत्र (लगभग **10×10 किमी**) में **1 घंटे में 10 सेमी या अधिक वर्षा** होती है, तो उसे क्लाउडबर्स्ट कहा जाता है।

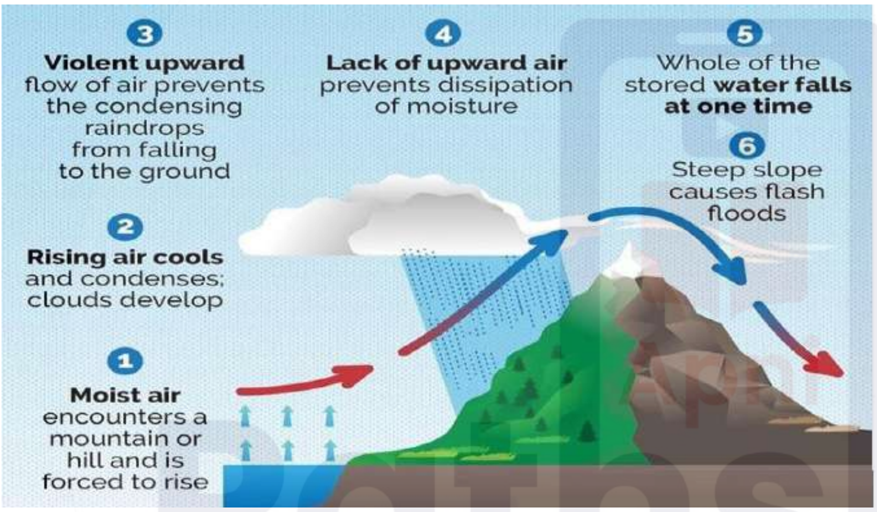

क्लाउडबर्स्ट की प्रक्रिया:

- यह विशेष रूप से **पहाड़ी क्षेत्रों** में होता है, जहाँ **ओरोग्राफिक लिफ्ट** नामक प्रक्रिया सक्रिय होती है:
  - गर्म और नम हवा पर्वतीय ढलानों पर ऊपर उठती है।
  - ऊँचाई पर दबाव कम होने से यह फैलती है और ठंडी होती है।
  - ठंडी हवा संघनित होकर नमी छोड़ती है।
  - यदि गर्म नम हवा लगातार ऊपर उठती रहती है, तो वर्षा विलंबित होती है और एकत्रित होकर अचानक तेज बारिश के रूप में गिरती है।

भारत में क्लाउडबर्स्ट की घटनाएँ:

- सामान्यत: **मानसून के दौरान** देखी जाती हैं।
- विशेष रूप से निम्न क्षेत्रों में: हिमालय क्षेत्र, पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ी राज्य।

फ्लैश फ्लड से संबंध:

- क्लाउडबर्स्ट की वजह से **तेज़ और स्थानीय बाढ़ (फ्लैश फ्लड)** होती है।
- मई से सितंबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून में **इस प्रकार की घटनाएँ बढ़ी हैं।**

प्रभाव:

- अचानक, अत्यधिक और स्थानीय वर्षा।
- तेज़ बहाव वाली बाढ़, भूस्खलन, और जल निकासी तंत्र की विफलता जैसी आपदाओं का कारण बनती है।

भविष्यवाणी की चुनौती: बहुत छोटे क्षेत्र और कम समय में घटित होने के कारण सटीक पूर्वानुमान कठिन होता है।

फ्लैश फ्लड (Flash Flood):

- **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** के अनुसार:
  - यह **तीव्र गति से आने वाली बाढ़** होती है, जो आमतौर पर **6 घंटे से कम समय** में आती है।
  - इसके कारण होते हैं: अत्यधिक वर्षा, क्लाउडबर्स्ट, भारी गर्जना वाले तूफान

बादल फटने की घटनाओं से निपटने के उपाय:

- **NDMA दिशा-निर्देश (2010):**
  - पूर्व चेतावनी प्रणाली, जोखिम क्षेत्र निर्धारण और जनजागरूकता पर जोर
  - संवेदनशील क्षेत्रों में तैयारी, समन्वय और ढांचागत मजबूती
- **तकनीकी उपाय:**
  - डॉप्लर रडार: तात्कालिक (<3 घंटे) चेतावनी के लिए
  - ऑटोमैटिक रेन गेज: संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान
  - मौसम मॉडलिंग: भारी वर्षा की चेतावनी (क्लाउडबर्स्ट भविष्यवाणी अभी सीमित)
- **स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण:**
  - पंचायतों और DM कार्यालयों को आपात नंबर साझा करने, ढलानों की निगरानी और जलाशयों से पानी रोकने की सलाह (HP, जून 2025)
  - मानसून से पहले गांवों में अभ्यास और जागरूकता अभियान
- **जलवायु कार्रवाई:**
  - IPCC के अनुसार, तापमान में 1°C वृद्धि से वर्षा में 7–10% तक वृद्धि संभव
  - उत्सर्जन में कटौती और पर्वतीय शहरों में लचीली शहरी योजना की जरूरत

यूनिकॉर्न रिपोर्ट 2025 / Unicorn Report 2025

संदर्भ:
हाल ही में हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा **ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2025** जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में ऐसे 1,523 निजी स्टार्टअप्स हैं जिनका मूल्यांकन 1 अरब डॉलर से अधिक है।

यूनिकॉर्न क्या है?

- **परिभाषा:** यूनिकॉर्न वह प्राइवेट स्टार्टअप कंपनी होती है जिसकी मार्केट वैल्यू $1 बिलियन से अधिक होती है।
- **शब्द की उत्पत्ति:** यह शब्द 2013 में अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट Aileen Lee द्वारा गढ़ा गया था।

यूनिकॉर्न रिपोर्ट 2025:

शीर्ष 10 देश (Top 10 Countries):

संयुक्त राज्य अमेरिका (USA):

- कुल **758 यूनिकॉर्न**, जो विश्व में सबसे अधिक हैं।
- दुनिया के 10 सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न में से 6 अमेरिका में हैं।
- सैन फ्रांसिस्को को "यूनिकॉर्न की राजधानी" कहा जाता है – यहाँ 199 यूनिकॉर्न हैं।

चीन:

- कुल **343 यूनिकॉर्न**, जो प्रमुख शहरों बीजिंग, शंघाई और शेनझेन में फैले हैं।
- **तीन शीर्ष यूनिकॉर्न** – ByteDance, Ant Group और Shein – चीन से हैं।

भारत:

- **तीसरे स्थान** पर, कुल **64 यूनिकॉर्न** के साथ।
- **शहर रैंकिंग:**
  - **बेंगलुरु** – वैश्विक रैंक **7**
  - **मुंबई** – रैंक **22**
  - **गुरुग्राम** – पहली बार **27वें स्थान** पर
- **प्रमुख यूनिकॉर्न उदाहरण (2025):**
  - Zerodha ($8.2 बिलियन)
  - Dream11 ($8 बिलियन)
  - Razorpay ($7.5 बिलियन)

अन्य देश:

- शीर्ष 10 में शामिल अन्य देश हैं: **यूके**, **जर्मनी**, **फ्रांस**, **कनाडा**, **इज़राइल**, **दक्षिण कोरिया**, और **सिंगापुर**

अदम्य / Adamya

संदर्भ:
भारतीय तटरक्षक बल (ICG) ने **'अदम्य'** नामक पहले फास्ट पेट्रोल वेसल (FPV) को आधिकारिक रूप से अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। यह पोत आठ जहाजों की श्रृंखला का पहला हिस्सा है, जिसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) द्वारा विकसित किया जा रहा है।

'अदम्य': भारतीय तटरक्षक बल की नई तेजगति गश्ती पोत:

परिचय:

- **'अदम्य'** गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) में निर्मित **आठ FPVs की श्रृंखला** की **पहली पोत** है।
- यह **भारतीय तटरक्षक बल (ICG)** की पहली FPV है, जिसमें **Controllable Pitch Propellers (CPPs)** और **स्वदेशी गियरबॉक्स** लगे हैं।
- इससे पोत की **मैन्युवरिंग क्षमता**, **परिचालन लचीलापन** और **समुद्री प्रदर्शन** में उल्लेखनीय सुधार होता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- 30 मिमी CRN-91 गन
- दो 12.7 मिमी रिमोट-नियंत्रित स्थिरकृत गन (Fire Control Systems के साथ)
- इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम (IBS)
- इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम (IPMS)
- ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम (APMS)
- ये तकनीकें सटीकता, गति और दक्षता के साथ समुद्री अभियानों को अंजाम देने की क्षमता को बढ़ाती हैं।

महत्त्व:

- 'अदम्य' भारत की **बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता** को प्रदर्शित करता है और **आत्मनिर्भर भारत** की सोच से जुड़ा हुआ है।
- ये FPVs भारतीय तटरक्षक बल की क्षमताओं को **Force Multiplier** के रूप में मजबूत बनाएँगे:
  - समुद्री क़ानून प्रवर्तन
  - तटीय गश्त
  - खोज और बचाव अभियान
  - विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की सुरक्षा
- यह पोत **तेज़ प्रतिक्रिया** के लिए तैयार एक सशक्त साधन है।

अमृत / AMRUT

संदर्भ:

भारत ने शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, क्योंकि **अटल मिशन फॉर रीजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT)** को 10 वर्ष पूरे हो गए हैं।

- शहरी बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने वाले इस मिशन का दूसरा चरण AMRUT 2.0 एक अक्टूबर 2021 को शुरू किया गया था।

AMRUT (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation):

शुरुआत:

- **2015 में लॉन्च**, इसका उद्देश्य **500 शहरों और कस्बों** में आधारभूत अवसंरचना और सेवाओं के माध्यम से जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना था।

प्रकार: **केंद्रीय प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)** – केंद्र और राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के बीच **शहरी जनसंख्या और सांविधिक नगरों** की संख्या के आधार पर साझा वित्तपोषण।

नोडल मंत्रालय: **आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA)**

आवरण:

- प्रारंभ में केवल 500 शहरों को शामिल किया गया था।
- अब AMRUT 2.0 के तहत सभी शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) को शामिल किया गया है।

उद्देश्य:

- हर घर नल जल और सीवरेज कवरेज सुनिश्चित करना।
- शहरी गतिशीलता सुधारना और प्रदूषण कम करना।
- हरी खुली जगहों और नगरीय सुविधाओं का विस्तार।
- शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को सुधारों और क्षमता निर्माण के माध्यम से सशक्त बनाना।

AMRUT एवं AMRUT 2.0 के तहत प्रमुख पहलें:

- जल ही अमृत (AMRUT 1.0 के तहत): उपचारित जल के सुरक्षित पुन: उपयोग को बढ़ावा।
- 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन: सीधे पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराना।
- SCADA प्रणाली (Supervisory Control and Data **Acquisition**):
    - **जल आपूर्ति और उपचार प्रणाली** की **रीयल-टाइम निगरानी** के लिए तकनीकी समाधान।

बोनालु उत्सव / bonalu festival

संदर्भ:

आषाढ़ मास के पवित्र अवसर पर बोनालु उत्सव की पहली मुख्य पूजा हैदराबाद के गोलकोंडा किले में स्थित देवी जगदंबिका अम्मावरु मंदिर में विधिवत रूप से आरंभ हुई। इस पारंपरिक त्योहार की शुरुआत श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुई, जो तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

बोनालु उत्सव: देवी महाकाली की भक्ति का पर्व

परिचय:

- **बोनालु** एक **वार्षिक हिंदू त्योहार** है, जिसमें **देवी महाकाली की पूजा** की जाती है।
- यह मुख्य रूप से **हैदराबाद और सिकंदराबाद** तथा **तेलंगाना राज्य** के अन्य भागों में मनाया जाता है।

इतिहास:

- 19वीं शताब्दी में हैदराबाद में फैली महामारी (plague) के बाद यह पर्व शुरू हुआ।
- लोगों ने देवी महाकाली से सुरक्षा की प्रार्थना की, और संकट टलने के बाद आभार स्वरूप 'बोनम' (तेलुगु शब्द 'भोजनालु' से) अर्पित करने की परंपरा शुरू की।
- यह पर्व आषाढ़ माह (जून-जुलाई) में मनाया जाता है, जब मानसून की शुरुआत होती है।
- 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद, इसे राज्य का आधिकारिक त्योहार घोषित किया गया।

अनुष्ठान और उत्सव:

- **बोनम अर्पण:** महिलाएँ चावल, दूध और गुड़ से भरे सजे हुए कलश (नीम, हल्दी, कुमकुम और दीपक से सजाए गए) लेकर देवी को अर्पित करती हैं।
- **मेट्लु पूजा:** भक्त मंदिर की सीढ़ियों पर हल्दी और कुमकुम लगाकर पूजा करते हैं।
- **जगदंबिका मंदिर समारोह:**
    - बोनालु की शुरुआत गोलकोंडा किले के जगदंबिका मंदिर में मुख्य पूजा से होती है।
    - इसके बाद यह उत्सव सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर और पुराने हैदराबाद के अक्कन्ना मदार्ना मंदिर तक फैलता है।

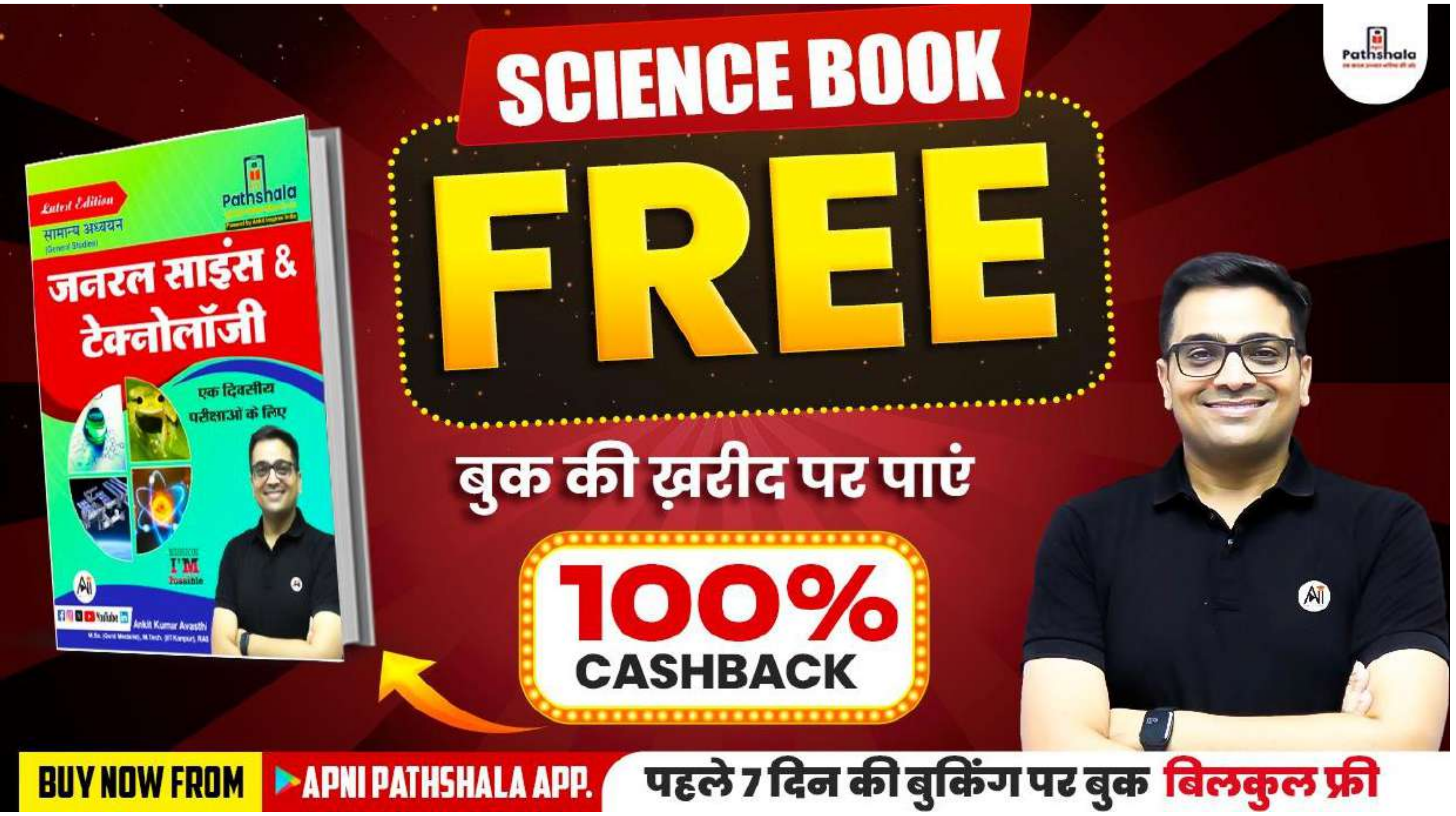
Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

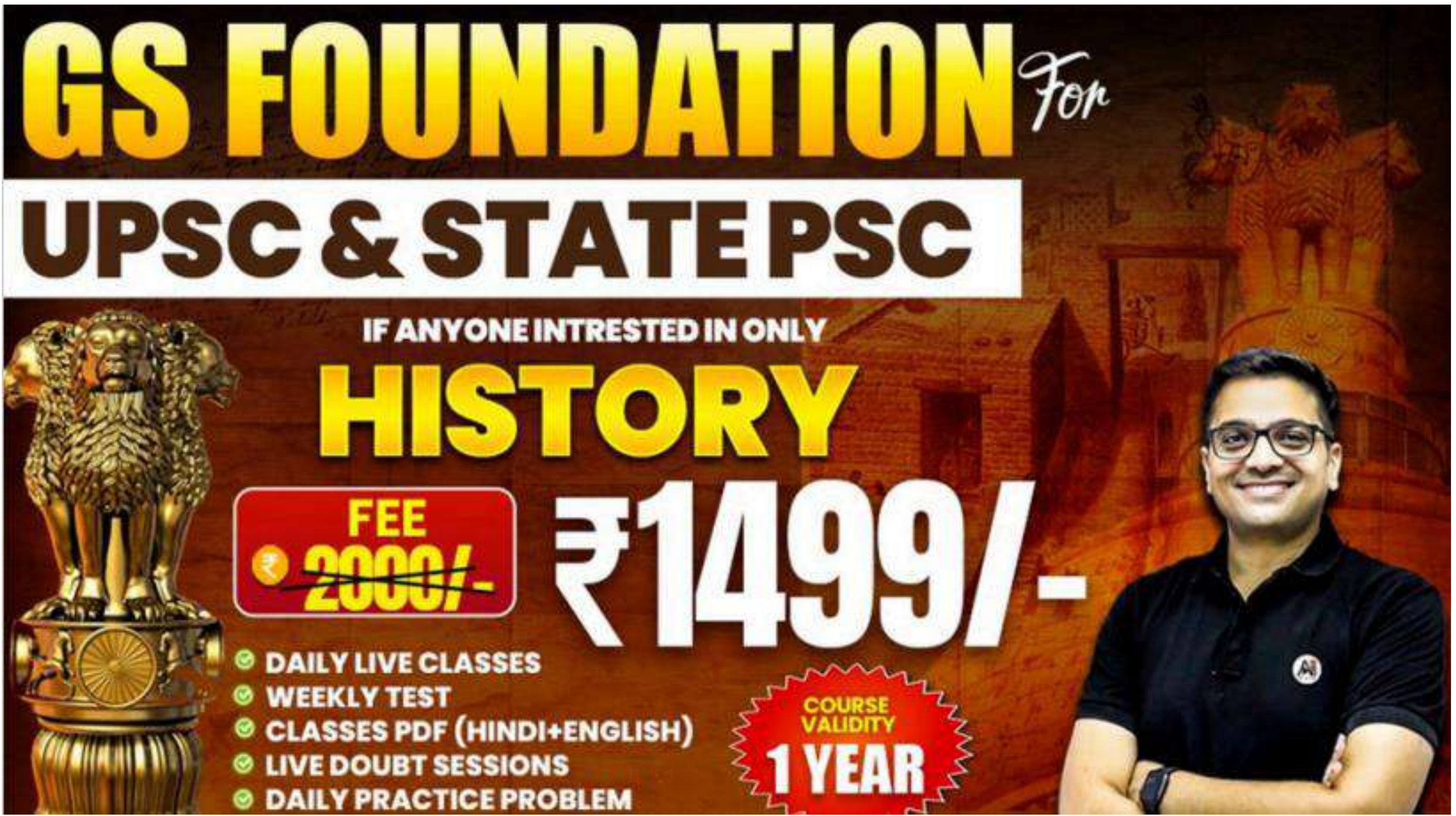
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

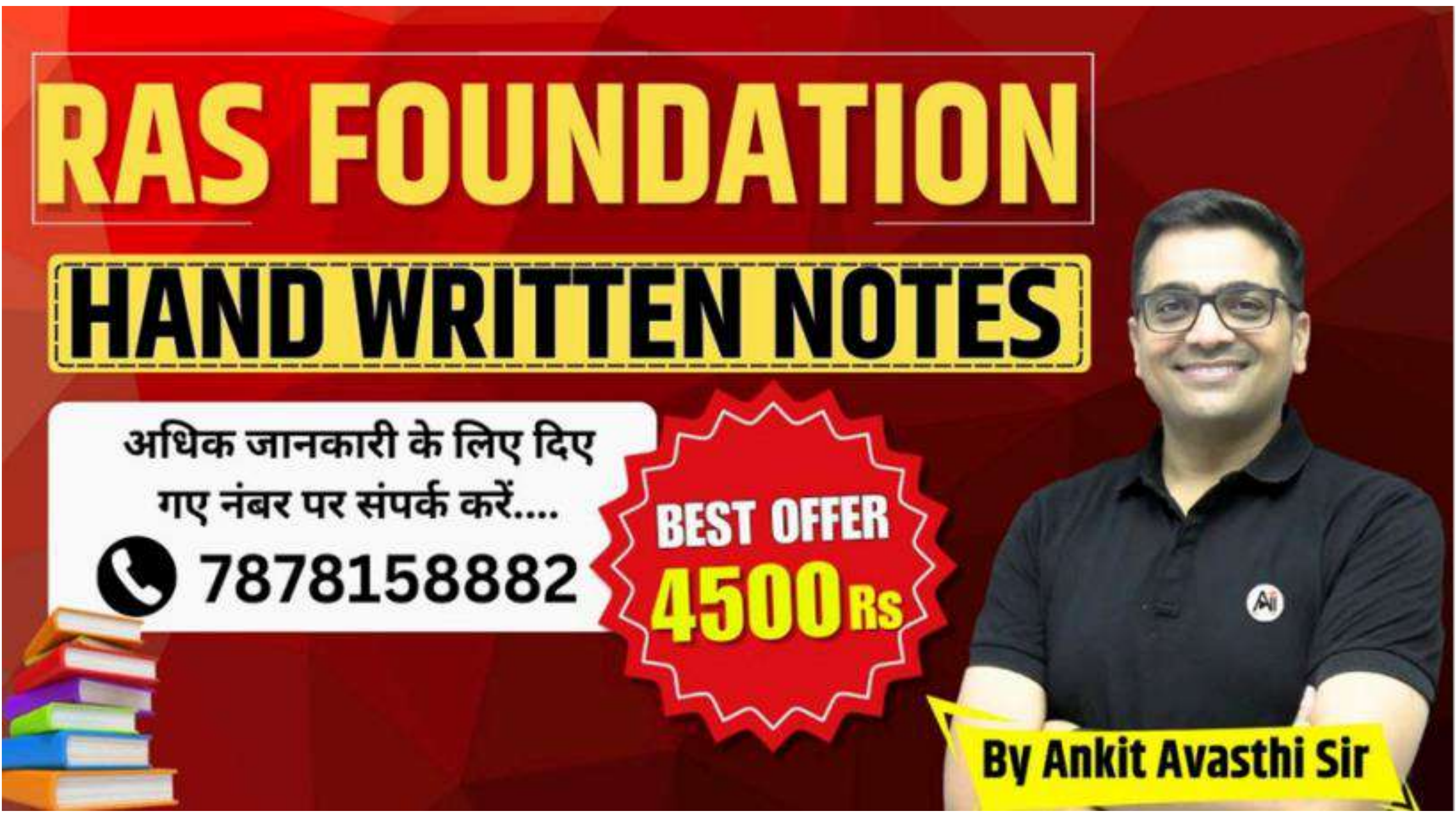
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

CALL CENTRE
7878158882
HOW MAY I HELP YOU
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: